भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. *170 जिसका उत्तर

शुक्रवार, 02 अगस्त, 2024/11 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाना है

जलमार्गों के माध्यम से कार्गो की आवाजाही

†*170. श्री बिप्लब कुमार देब :

श्री शंकर लालवानी :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 2013-14 से अब तक राष्ट्रीय जलमार्गों और अन्य जलमार्गों के माध्यम से कार्गो की आवाजाही का वर्ष-वार ब्यौरा है;

(ख) सरकार द्वारा राष्ट्रीय जलमार्गों के माध्यम से कार्गो की आवाजाही बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) क्या सरकार नए राष्ट्रीय जलमार्गों को विकसित करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ग): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

“जलमार्गों के माध्यम से कार्गो की आवाजाही" के संबंध में श्री बिप्लब कुमार देब एवं श्री शंकर लालवानी द्वारा पूछे गए दिनांक 02 अगस्त, 2024 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *170 के उत्तर के भाग (क) से (ग) तक में संदर्भित विवरण

(क): वर्ष 2013-14 से 2023-24 तक राष्ट्रीय जलमार्गों (रा.ज.) के माध्यम से कार्गो की आवाजाही का वर्ष-वार ब्यौरा **अनुबंध-1** में संलग्न है।

(ख): राष्ट्रीय जलमार्गों (रा.ज.) के माध्यम से कार्गो की आवाजाही को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम **अनुबंध-2** में दिए गए हैं।

(ग): जी, हां। 5 रा.ज. (रा.ज.-1 से रा.ज.-5) के विकास के साथ ही, केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, गोवा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और असम के 14 नए रा.ज. के चरण-I के विकास के लिए सरकार द्वारा स्वीकृति दे दी गई है। इनका विवरण **अनुबंध-3** में दिया गया है।

अनुबंध-1

कार्गो आवाजाही का विवरण

राष्ट्रीय जलमार्ग पर कार्गो की आवाजाही का आंकड़ा {2013-14 से 2023-24 तक (मिलियन टन में)}											
राष्ट्रीय जलमार्ग (रा.ज.)	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**	**2016-17**	**2017-18**	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
रा.ज.-1 { गंगा -भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली (हल्दिया -इलाहाबाद)}	3.35	5.05	6.48	4.89	5.48	6.79	9.11	9.21	10.93	13.17	12.82
रा.ज.-2 {ब्रह्मपुत्र नदी (डुबरी-सदिया)}	2.48	0.51	0.60	0.61	0.56	0.49	0.39	0.31	0.43	0.63	0.59
रा.ज.-3 (पश्चिमी तट नहर)	1.07	0.96	1.06	1.03	0.42	0.42	0.55	0.73	1.70	3.23	3.29
रा.ज.-4 (कृष्णा गोदावरी नदी प्रणालियां)						0.45	0.08	6.83	11.23	8.42	4.30
रा.ज.-5 (पूर्वी तट नहर और मतई नदी/ब्राह्मणी-खरसुआ-धामरा नदियां/महानदी डेल्टा नदियां)									0.02	0.40	0.64
रा.ज.-8 (अलाप्पुझा-चंगानस्सेरी नहर)										0.03	0.04
रा.ज.-9 (अलाप्पुझा -कोट्टायम अथिरमपुझा नहर)										0.02	0.02
रा.ज.-14 (बैतरणी नदी)										-	0.001
रा.ज.-16 (बराक नदी)							0.00	0.00	0.01	0.01	0.003
रा.ज.-23 (बुद्ध बलंगा)										0.03	0.02
रा.ज.-31 (धनसिरी / चाथे)											0.01
रा.ज.-44 (इचामती नदी)							0.90	0.28	0.82	0.46	0.48
रा.ज.-64 (महानदी नदी)							-	-	0.02	0.45	0.67
रा.ज.-86 (रूपनारायण नदी)							-	0.00	0.00	0.09	0.10
रा.ज.-94 (सोन नदी)							0.80	-	-	-	1.16
रा.ज.-97 (सुंदरबन जलमार्ग)						3.22	3.46	3.86	6.10	5.47	5.19
उप-योग (राष्ट्रीय जलमार्ग 1,2,3,4,5,8,9,14,16,23,31,44,64,86,94एवं97)	**6.89**	**6.52**	**8.14**	**6.53**	**6.46**	**11.38**	**15.30**	**21.22**	**31.24**	**32.41**	**29.34**
महाराष्ट्र जलमार्ग		-									
रा.ज.-10 (अम्बा नदी)		-				22.24	22.01	17.69	20.23	28.54	30.17
रा.ज.-83 (राजपुरी क्रीक)		-				0.85	0.67	0.21	0.23	0.24	0.45
रा.ज.-85 (रेवादंडा क्रीक- कुंडालिका नदी प्रणाली)		-				1.72	1.59	1.08	0.70	0.50	0.99
रा.ज.-91 (शास्त्री नदी - जयगढ़ क्रीक प्रणाली)		-				3.53	0.12	9.24	22.45	33.87	37.05
कुल महाराष्ट्र जलमार्ग	**10.18**	**22.54**	**28.85**	**33.29**	**25.96**	**28.34**	**24.39**	**28.21**	**43.61**	**63.15**	**68.66**
गोवा जलमार्ग											
रा.ज.-68 (मंडोवी नदी)						1.65	1.58	4.00	2.62	2.54	2.42
रा.ज.-111 (ज़ुआरी नदी)						2.10	1.36	4.47	1.96	0.39	1.10
कुल गोवा जलमार्ग	**1.00**	**0.10**	**4.54**	**15.65**	**11.09**	**3.76**	**2.93**	8.46	**4.58**	**2.93**	**3.52**
गुजरात जलमार्ग											
रा.ज.-73 (नर्मदा नदी)		-				0.04	0.10	0.08	0.05	0.04	0.06
रा.ज.-100 (तापी नदी)		-				28.78	30.92	25.63	29.32	27.62	31.46
कुल गुजरात जलमार्ग		-			**11.52**	**28.82**	**31.02**	**25.71**	**29.37**	**27.66**	**31.51**
कुल योग मिलियन टन	**18.07**	**29.16**	**41.53**	**55.47**	**55.03**	**72.30**	**73.64**	**83.61**	**108.79**	**126.15**	**133.03**
आईबीपी	1.89	2.00	2.28	2.58	3.09	3.22	3.46	3.60	5.43	5.20	**4.70**

अनुबंध-2

राष्ट्रीय जलमार्गों के माध्यम से कार्गो की आवाजाही को बढ़ाने के लिए उठाए गए कदम

1. फेयरवे विकास कार्य:

रा.ज.-1 में हल्दिया-बाढ़ जलखंड में 3.0 मीटर, बाढ़-गाजीपुर जलखंड में 2.5 मीटर और गाजीपुर-वाराणसी जलखंड में 2.2 मीटर की न्यूनतम उपलब्ध गहराई (एलएडी) सुनिश्चित करने के लिए जलमार्ग विकास परियोजना (जेएमवीपी) के अंतर्गत फेयरवे विकास कार्य प्रगति पर हैं, जिन्हें विश्व बैंक से प्राप्त तकनीकी और वित्तीय सहायता से भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) द्वारा चलाया जा रहा है। इसी प्रकार, भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग से होकर रा.ज.-1 और रा.ज.-2/रा.ज.-16 के बीच संपर्कता में सुधार लाने के लिए, प्रोटोकॉल मार्ग सं.1 और 2 में सिराजगंज और दाईखोवा तथा बांग्लादेश में प्रोटोकॉल मार्ग सं.3 एवं 4 में आशुगंज और जाकीगंज के बीच महत्वपूर्ण और उथले जलखंडों को पूरे वर्ष नौचालन योग्य बनाए रखने (2.5 मीटर की लक्षित एलएडी के साथ) के लिए भारत और बांग्लादेश द्वारा फेयरवे विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसी प्रकार, भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग में जलयानों के सुगम नौचालन के लिए सुंदरबन में रा.ज.-97 पर फेयरवे विकास कार्य किए जा रहे हैं।

2. नए राष्ट्रीय जलमार्गों का विकास–

परिवहन के उद्देश्य से जलमार्गों को नौचालन योग्य बनाने के लिए तकनीकी मध्यवर्ती कार्य शुरू करने हेतु तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययनों के माध्यम से आईडब्ल्यूएआई ने 26 नए राष्ट्रीय जलमार्गों को चिन्हित किया है। एक बार तैयार हो जाने पर, ये नए जलमार्ग संबंधित भौगोलिक स्थानों पर परिवहन का वैकल्पिक माध्यम प्रदान करेंगे।

3. विभिन्न राष्ट्रीय जलमार्गों में शुरू की गई रो-रो/रो-पैक्स सेवा-

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा फरवरी, 2021 के दौरान निम्नलिखित मार्गों के लिए रो-रो/रो-पैक्स जलयानों के प्रचालन का उद्घाटन किया गया:

जलयान का नाम	निम्न के बीच रो-रो/ रो-पैक्स सेवा	माननीय प्रधान मंत्री द्वारा किए गए उद्घाटन की तारीख
एम वी रानी गाइदिन्ल्यू और एम वी सचिन देव बर्मन	नेमाती और कमलाबारी (माजुली)	18.02.2021
एम वी जेएफआर जैकब	गुवाहाटी और उत्तर गुवाहाटी	18.02.2021
एम वी बॉब खाथिंग	दुबरी और फकीरगंज (यू/एस हतसिंगमारी)	18.02.2021
एम वी आदि शंकरा और एम वी सी. वी. रमन	वेलिंग्डन द्वीप और बोलघाटी	14.02.2021

आईडब्ल्यूएआई द्वारा पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश को वाराणसी और अयोध्या में प्रचालन हेतु दिनांक 13.03.2024 तथा 15.03.2024 को हाइब्रिड विद्युत कैटामरान जलयान क्रमश: एमवी निषाद राज व एमवी गुह सौंपे गए हैं।

4. <u>प्रभारित कर में संशोधन और शुल्क का संग्रह</u>:

अंतर्देशीय जलमार्गों को परिवहन के एक पूरक माध्यम के रूप में बढ़ावा देने संबंधी भारत सरकार के विजन को आगे बढ़ाते हुए, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने शुरू में तीन वर्षों की अवधि के लिए जलमार्ग प्रयोक्ता प्रभारों में छूट दी है।

5. <u>ईज-ऑफ-डूईंग बिजनेस हेतु डिजिटल समाधान</u>:

- **कार-डी (कार्गो डाटा) पोर्टल:** हितधारकों हेतु राष्ट्रीय जलमार्गों के सभी कार्गो और क्रूज आवागमन डाटा को एकत्रित करने एवं संकलित करने, विश्लेषण और प्रसार हेतु कार-डी एक वेब आधारित पोर्टल है।
- **पानी (पीएएनआई) (परिसंपत्ति एवं नौचालन सूचना हेतु पोर्टल):** पानी (पीएएनआई) एक समेकित समाधान है, जोकि नदी नौचालन और अवसंरचना सूचना को एकल प्लेटफार्म पर प्रस्तुत करता है।

यह राष्ट्रीय जलमार्गों और परिसंपत्तियों की विभिन्न विशेषताओं, जैसे फेयरवे, अवसंरचना सुविधाओं, नदी पर बनी संरचनाओं, जेट्टियों पर संपर्कता, कार्गो के परिवहन को सुगम बनाने के लिए आपात सुविधाओं आदि के बारे में विस्तृत सूचना प्रदान करता है।

ये समाधान, विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग बढ़ाते हैं, संगठनात्मक एकरूपता में सुधार करते हैं, संसाधनों की दक्षता में वृद्धि करते हैं, प्रत्येक हितधारक के स्वामित्व और उत्तरदायित्व को बढ़ाते हैं, जिससे कार्यकलापों के प्रबंधन में सुधार होता है। इस क्षेत्र में आईडब्ल्यूएआई द्वारा किए जा रहे मुख्य कार्यों पर सार्वजनिक पहुंच होने से आईडब्ल्यूएआई की बाजार में प्रतिष्ठा बढ़ेगी और इस सेक्टर में भरोसा बढ़ेगा।

6. <u>आईडब्ल्यूटी माध्यम का उपयोग करते हुए क्षेत्रीय व्यापार में वृद्धि</u>:

क. पीआईडब्ल्यूटीएंडटी के अंतर्गत भारत और बांग्लादेश के नए प्रवेश पत्तनों और मार्गों को जोड़ा जाना: भारत और बांग्लादेश के बीच पीआईडब्ल्यूटीएंडटी के अंतर्गत मौजूदा 8 मार्गों के अतिरिक्त 2 जलमार्गों को जोड़े जाने/विस्तारित करने के साथ ही दोनों तरफ मौजूदा 6 प्रवेश पत्तनों के अतिरिक्त 7 नए प्रवेश पत्तनों को जोड़े जाने के साथ, भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार के लिए आईडब्ल्यूटी माध्यम की पहुंच में बढ़ोतरी होने और परिणामस्वरूप राष्ट्रीय जलमार्गों में यातायात में वृद्धि होने की उम्मीद है। मइया नदी पत्तन को प्रचालनरत कर दिया गया है और पीआईडब्ल्यूटीएंडटी मार्ग सं.5 एवं 6 के माध्यम से सुल्तानगंज (गोदागरी-राजशाही) के बीच 5 परीक्षण आवागमन पूरे किए गए हैं।

ख. भूटान और बांग्लादेश के बीच व्यापार: जलमार्गों के माध्यम से होने वाले लाभों जैसे, कम परिवहन लागत, सड़क की तुलना में बड़े आकार के शिपमेंट, भू-मार्गों में भीड़-भाड़ से बचने आदि पर विचार करते हुए भूटान से स्टोन निर्यातकों द्वारा अंतर्देशीय जलमार्गों को परिवहन के एक वैकल्पिक माध्यम के रूप में चिन्हित किया गया है। आईडब्ल्यूएआई के पर्यवेक्षण के अंतर्गत पहले आवागमन को जुलाई, 2019 में

सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया था। आईडब्ल्यूटी माध्यम का उपयोग करते हुए इस व्यापार के लगातार चलते रहने और आगामी वर्षों में एक बड़ी मात्रा तक पहुंचने की संभावना है।

7. <u>हितधारकों के लिए अंतर्देशीय जल परिवहन का प्रयोग और राष्ट्रीय जलमार्गों से संबंधित विभिन्न सूचनाओं तक पहुंच के लिए मानक प्रचालन पद्धतियां (एसओपी)</u>

विभिन्न राष्ट्रीय जलमार्गों के लिए आईडब्ल्यूएआई की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई मानक प्रचालन पद्धतियों (एसओपी) की सूची निम्नानुसार हैं:

i. भारत तक और भारत से सामान के आवागमन के लिए चट्टोग्राम और मोंगला पत्तनों के प्रयोग के लिए बांग्लादेश गणराज्य की सरकार और भारत गणराज्य की सरकार के बीच समझौते की मानक प्रचालन पद्धतियां (एसओपी)।

ii. बांग्लादेश गणराज्य की सरकार और भारत गणराज्य की सरकार के बीच तटीय तथा प्रोटोकॉल मार्ग पर यात्री एवं क्रूज सेवाओं के संबंध में समझौता ज्ञापन की मानक प्रचालन पद्धतियां (एसओपी)।

iii. बांग्लादेश गणराज्य की सरकार और भारत गणराज्य की सरकार के बीच द्विपक्षीय व्यापार एवं ट्रांजिट कार्गो के परिवहन के लिए अंतर्देशीय जलमार्गों के उपयोग के संबंध में समझौता ज्ञापन की मानक प्रचालन पद्धतियां (एसओपी)।

iv. कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए अंतर्देशीय जल पारगमन एवं व्यापार (पीआईडब्ल्यूटीएंडटी) संबंधी प्रोटोकॉल पर जलयानों के आवागमन के लिए मानक प्रचालन पद्धतियां (एसओपी)।

v. राष्ट्रीय जलमार्गों पर रो-रो/रो-पैक्स जलयान प्रचालनों के लिए मानक प्रचालन पद्धतियां (एसओपी) और चेकलिस्ट।

vi. कार-डी पोर्टल के लिए मानक प्रचालन पद्धतियां (एसओपी)।

8. <u>कार्गो और क्रूज को बढ़ावा देने के लिए 2023-24 के दौरान निम्नलिखित समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किए गए थे:-</u>

क) ब्रह्मपुत्र में नदी धार्मिक पर्यटन सर्किट के विकास हेतु 19 मई को असम प्रशासनिक कॉलेज, गुवाहाटी में असम पर्यटन, सागरमाला, आईडब्ल्यूटी असम और आईडब्ल्यूएआई के बीच एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया।

ख) दो आईडब्ल्यूएआई रो-पैक्स जलयानों एमवी राजेन्द्र प्रसाद एवं एमवी स्वामी परमहंस के प्रचालन एवं प्रबंधन हेतु दिनांक 24.07.2023 को आईडब्ल्यूएआई तथा पर्यटन विभाग, बिहार सरकार के बीच एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया।

ग) अंतर्देशीय जल परिवहन का उपयोग करते हुए नूमालीगढ़ रिफाइनरी के पेट्रोलियम उत्पादों संबंधित कार्गो के परिवहन के लिए दिनांक 24.08.2023 को गुवाहाटी में नूमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) और आईडब्ल्यूएआई के बीच एक एमओयू माननीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया।

घ) अंतर्देशीय जल परिवहन का उपयोग करते हुए अयोध्या, वाराणसी और मथुरा में 6 विद्युत कैटामरान जलयानों की प्रचालन के लिए दिनांक 25.09.2023 को वाराणसी में आईडब्ल्यूएआई तथा उत्तर प्रदेश पर्यटन के बीच एक एमओयू माननीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग तथा आयुष मंत्री की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया।

ङ) कार्गो और नदी पर्यटन को बढ़ाने के लिए जीएमआईएस, 2023 के दौरान 10 एमओयू हस्ताक्षरित किए गए। (आईडब्ल्यूएआई तथा ओडिशा सरकार, कोल इंडिया लिमिटेड एवं पारादीप पत्तन प्राधिकरण, हैरिटेज रिवर जर्निज प्राइवेट लिमिटेड, एटूजेड एक्जिम, स्टार सीमेंट, अलकनंदा क्रूज लाइन, ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, आईआईटी रुड़की, परिवहन विभाग दिसपुर, असम सरकार, योगायतन पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच तथा एटूजेड एक्जिम और इंडो-बांग्लादेश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के बीच)

9. <u>हितधारक परामर्श</u>: आईडब्ल्यूएआई ने कार्गो को बढ़ावा देने के लिए वित्त वर्ष-20 में छः अलग-अलग स्थानों (कोलकाता, कोच्चि, मुंबई, पटना, गोवा और ढाका) में हितधारक परामर्श, वित्त वर्ष-22 के दौरान 9, वित्त वर्ष-23 के दौरान 06 सम्मेलन-सह-वेबिनार तथा वित्त वर्ष 24 के दौरान तीन हितधारक बैठकें/सम्मेलन आयोजित किए।

- वाराणसी में 11-12 नवंबर, 2022 को पीएम गतिशक्ति मल्टीमोडल जलमार्ग संपर्कता समिट आयोजित की गई, जिसमें माननीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री, उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, माननीय केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री तथा माननीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्रियों ने भाग लिया था। इस समिट में पीएम गतिशक्ति के बारे में और अधिक जागरूकता पैदा करने पर ध्यान दिया गया तथा गंगा में 07 सामुदायिक जेट्टियों का उद्घाटन किया गया और 08 सामुदायिक जेट्टियों की आधारशिला रखी गई।
- माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 13 जनवरी, 2023 को वर्चुअली वाराणसी में माननीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री तथा माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश की उपस्थिति में विश्व के सबसे लंबे नदी क्रूज को हरी झंडी दिखाई गई तथा जलमार्ग विकास परियोजनाओं का ऑनलाइन उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। गंगा विलास नदी क्रूज ने दिनांक 28.02.2023 को इंडो-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग से होकर ब्रह्मपुत्र पर डिब्रूगढ़ में अपनी 3200 कि.मी. की यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की।

- माननीय केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री द्वारा अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) को बढ़ावा देने के लिए दिनांक 12.06.2023 को अध्यक्ष तथा सदस्य (तकनीकी), आईडब्ल्यूएआई की उपस्थिति में आईडब्ल्यूएआई ढुबरी टर्मिनल में इंडो-बांग्लादेश-भूटान आईडब्ल्यूटी प्रचालकों के साथ एक हितधारक बैठक आयोजित की गई।
- मुंबई में 17 से 19 अक्तूबर, तक तीसरी ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट, 2023 आयोजित की गई, जिसमें 70 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
- देश में अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन के समग्र विकास को गति देने के लिए, जिससे राज्यों के सक्रिय सहयोग से कार्गो, यात्री आवागमन और नदी क्रूज पर्यटन में वृद्धि होगी, माननीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग तथा आयुष मंत्री की अध्यक्षता में एक अंतर्देशीय जलमार्ग विकास परिषद (आईडब्ल्यूडीसी) का गठन किया गया है, जिसमें राष्ट्रीय जलमार्गों, अन्य अंतर्देशीय जलमार्गों तथा संलग्न पारिस्थितिकी तंत्र के व्यापक विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ शासित राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हैं। आईडब्ल्यूडीसी की पहली बैठक 8 जनवरी, 2024 को कोलकाता में आयोजित की गई थी।
- रा.ज.-1 से होकर कार्गो के आगे के आवागमन की संभावना का पता लगाने के लिए अध्यक्ष, आईडब्ल्यूएआई की अध्यक्षता में दिनांक 04.05.2023 को हितधारकों के साथ एक बैठक कोलकाता में आयोजित की गई।
- माननीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री ने दिनांक 12.06.2023 को आईडब्ल्यूएआई ढुबरी में इंडो-बांग्लादेश-भूटान आईडब्ल्यूटी प्रचालकों के साथ हितधारकों की बैठक की।
- परिवहन के लिए राष्ट्रीय जलमार्गों के उपयोग पर हितधारक सम्मेलन दिनांक 27.03.2024 को कोलकाता में आयोजित किया गया। अन्य हितधारकों के साथ ही, बीपीसीएल, एससीआई, इफको, एफसीआई, कॉनकोर, एसएआईएल आदि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने भी इसमें भाग लिया।

10. <u>विश्व बैंक समर्थित जल मार्ग विकास परियोजना (जेएमवीपी) के अंतर्गत मध्यवर्ती कार्य</u>:

- **जल मार्ग विकास परियोजना (जेएमवीपी),** भारत सरकार की एक प्रमुख परियोजना है, जिसे भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) द्वारा वाराणसी से हल्दिया तक राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (रा.ज.-1) की क्षमता संवर्धन के लिए विश्व बैंक की तकनीकी और वित्तीय सहायता से कार्यान्वित किया जा रहा है, जो कि सीसीईए द्वारा 3 जनवरी, 2018 को 5369.18 करोड़ रु. की लागत से स्वीकृत की गई थी। इसका उद्देश्य रा.ज.-1 को हर मौसम में काम करने योग्य बनाना और इसे विश्वसनीय जलमार्ग आधारित मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के रूप में विकसित करना है, जो कि उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के पश्चभागों को पत्तनों और तटीय पोत परिहवन से जोड़ेगा। रा.ज.-1 भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग के जलमार्गों के माध्यम से ब्रह्मपुत्र और बराक नदी प्रणालियों से होकर बांग्लादेश और पूर्वोत्तर राज्यों से जुड़ता है।

- **जेएमवीपी-II (अर्थ गंगा) गंगा नदी** अर्थात रा.ज.-1 के आस-पास रहने वाली आबादी की आजीविका में सामाजिक-आर्थिक सुधार लाने वाली परियोजना है, जिसे आर्थिक गतिविधियों को

गति देने के लिए सतत विकास मॉडल के सिद्धांतों पर आधारित दृष्टिकोण पर शुरू किया गया है, जोकि नदी तट के साथ पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव डालेगी।

इससे समावेशी वृद्धि होगी और यह राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 1 के माध्यम से माल और यात्रियों (पर्यटकों सहित) की आवाजाही से लोगों की आजीविका में सुधार लाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह परियोजना 746.00 करोड़ रु. की कुल लागत पर परिकल्पित की गई हैं।

11. <u>अन्य राष्ट्रीय जलमार्गों में आईडब्ल्यूटी अवसंरचना के विकास के लिए अनुमोदित और किए गए मध्यवर्ती कार्य</u> :

i. 474 करोड़ रु. की लागत से राष्ट्रीय जलमार्ग-2 (ब्रह्मपुत्र नदी) का व्यापक विकास।

ii. 208 करोड़ रु. की लागत से असम के गुवाहाटी के पांडु में पोतमरम्मत सुविधा का निर्माण और 180 करोड़ रु. की लागत से गुवाहाटी में पांडु पत्तन तक वैकल्पिक पहुंच मार्ग का निर्माण।

iii. 148 करोड़ रु. की लागत से राष्ट्रीय जलमार्ग-16 (बराक नदी) और आईबीपी मार्ग का व्यापक विकास।

iv. 267 करोड़ रु. की लागत से 3 मौजूदा राष्ट्रीय जलमार्गों और 13 नए राष्ट्रीय जलमार्गों का चरण-I विकास।

अनुबंध 3

चरण-I विकास के अंतर्गत स्वीकृत नए राष्ट्रीय जलमार्गों की सूची

क्र.सं.	राष्ट्रीय जलमार्ग (रा.ज.)	स्वीकृत निवेश (करोड़ रु. में)
1.	रा.ज.-8- केरल में अलाप्पुझा-चंगानस्सेरी नहर	3
2.	रा.ज.-9- केरल में अलाप्पुझा-अथिरमपुझा नहर	3
3.	रा.ज.-27-गोवा में कंबरजुआ नदी	15
4.	रा.ज.-68-गोवा में मंडोवी नदी	
5.	रा.ज.-111- गोवा में जुआरी नदी	
6.	रा.ज.-86- पश्चिम बंगाल में रूपनारायण नदी	20
7.	रा.ज.-97- पश्चिम बंगाल में सुंदरवन जलमार्ग	20
8.	रा.ज.-40- उत्तर प्रदेश और बिहार में घाघरा नदी	15
9.	रा.ज.-44- पश्चिम बंगाल में इचामती नदी	10
10.	रा.ज.-10- महाराष्ट्र में अम्बा नदी	10
11.	रा.ज.-28- महाराष्ट्र में दाभोल क्रीक वशिष्ठी नदी	
12.	रा.ज.-57- असम में कोपिली नदी	32
13.	रा.ज.-31- असम में धनसिरी नदी	84
14.	रा.ज.-16- असम में बराक नदी	148

*****